Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani
(A State University established under Haryana Act No. 25 of 2014)

Scheme of Examinations & Syllabus
of
Sanskrit
(Scheme A, B & C)
(w.e.f. Session 2024-25)

for
Undergraduate Programmes
as per NEP 2020

Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes

(Multiple Entry-Multiple Exit, Internship and Choice Based Credit System LOCF)

With effect from the session 2024-25 (in phased manner)

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani
HARYANA, INDIA

Chaudhary Bansi Lal University, Prem Nagar, Bhiwani

Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject: Sanskrit as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and ChoiceBased CreditSystem) (in phased manner)

Semester	CORE COURSES Sanskrit	Paper	Nomenclature of Paper	Credits	Contact hours (Theory+ Tutorial)	Internal Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
I	CC-1/ MCC-1	24UN-SKT-101	नीतिसाहित्यं व्याकरणं च	4	4	30	70	100	3
	MCC-2	24UN-SKT-102	रघुवंशं बुद्धचरितं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-1	24UN-SKTMDC-101	संस्कृत–सम्भामाणम्	3	3	20	50	70	3
	CC-M1	24UN-SKT-103	प्रयोगात्मक–संस्कृतम्	2	2	20	30	50	2
II	CC-2/ MCC-3	24UN-SKT-201	श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3
	DSEC-1	24UN-SKT-202	किरातार्जुनीय नीतिशतकं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-2	24UN-SKTMDC-201	योगासनम् एवं ध्यानम्	3	3	20	50	70	3
	CC-M2	24UN-SKT-203	संस्कृत–चयनिका	2	2	20	30	50	2
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 2nd Semester									
III	CC-3/ MCC-4	24UN-SKT-301	ऐतिहासिकमहाकाव्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-5	24UN-SKT-302	स्वप्नवासवदत्तम्	4	4	30	70	100	3

	MDC-3	24UN-SKTMDC 301	यज्ञप्रक्रियायाः वैज्ञानिकाधारः एवं वर्णोच्चारणम्	3	3	20	50	70	3
IV	CC-4 / MCC-6	24UN-SKT-401	महाकाव्यम् उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
	MCC-7	24UN-SKT-402	आधुनिक– संस्कृतसाहित्यम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-8	24UN-SKT-403	काव्यशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-1	24UN-SKT-404	काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		24UN-SKT-405	संस्कृतसाहित्ये राष्ट्रवादः	4	4	30	70	100	3
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 4th Semester									
V	CC-5/ MCC-9	24UN-SKT-501	वैदिकसाहित्य परिचयः, नाटकम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-10	24UN-SKT-502	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रक्रिया च	4	4	30	70	100	3
	DSE-2	24UN-SKT-503	दशकुमारचरितं शिवराजविजयं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		24UN-SKT-504	धर्म, संस्कृतिरू दर्शनं च	4	4	30	70	100	3
	DSE-3	24UN-SKT-505	भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		24UN-SKT-506	संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः नाट्यकाराः च	4	4	30	70	100	3

VI	CC-6/ MCC-11	24UN-SKT-601	नाटकं, लौकिकसाहित्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-12	24UN-SKT-602	उपनिषद्–गीतानुसारं जीवनदर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-4	24UN-SKT-603	संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		24UN-SKT-604	संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-5	24UN-SKT-605	आयुर्वेद एवं वास्तुशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
		OR							
		24UN-SKT-606	सन्तुलितजीवन –पद्धतिः	4	4	30	70	100	3

(Value Added Course)

Semester	Course Type	Course Code	Nomenclature of Paper	Credits	Contact Hours	Internal Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
SEMESTER-I	VAC-1	24UN-SKTVAC-101	पंचकोश : सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-II	VAC-2	24UN-SKTVAC-201	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञान	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-III	VAC-3	24UN-SKTVAC-301	संस्कृत साहित्य में नाट्य एवं रंगमंच	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-IV	VAC-4	24UN-SKTVAC-401	भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति	2	2	15	35	50	2

(Ability Enhancement Course)

Semester	Course Type	Course Code	Nomenclature of Paper	Credits	Contact Hours	Internal Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
SEMESTER-I	AEC -1	24-UNSKT-AEC101	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण.1	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-II	AEC -2	24-UNSKT-AEC201	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण.2	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-III	AEC -3	24-UNSKT-AEC301	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण.3	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-IV	AEC -4	24-UNSKT-AEC401	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण.4	2	2	15	35	50	2

Chaudhary Bansi Lal University, Prem Nagar, Bhiwani

Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject: Sanskrit as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and ChoiceBased CreditSystem) (in phased manner)

Session: 2024-25	
Part A-Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-101,नीतिसाहित्यं व्याकरणं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-1/ MCC-1
Level of the course (Asper Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	Senior Secondary (10+2) or Visharad or Equivalent in any Stream
Course Learning Outcomes (CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-101-1संस्कृत भाषा में ज्ञान की सरल मनोवैज्ञानिक विधियों के द्वारा छात्रों को बोध कराने के लिए अनेक ग्रन्थ कहानी के रूप में लिखे गए जैसे पंचतन्त्र, हितोपदेश आदि। इस घटक में हितोपदेशके मित्रलाभ प्रकरण से छात्रों को संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है। CLO-101-2नीतिशतक भारतीय नीतिशास्त्र तथा सुभाषित के रूप में जाना जाता है। भर्तृहरि द्वारा रचित नीति–शतक के प्रथम 50 श्लोकों के माध्यम से छात्रों को न्याय एवं नीति से समाजबोध की शिक्षा देने का प्रयास किया गया है। CLO-101-3 संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए छात्रों को व्याकरण के प्रथम सोपान धातुरूपों तथा शब्दरूपों का ज्ञान होना आवश्यक है। इस घटक में छात्रों को सरल धातु–रूपों से परिचित करवाया जाता है ताकि वे संस्कृत भाषा समझने में तत्पर हो सके।

<table>
<tr><td colspan="2"></td><td colspan="3">CLO-101-4 भाषा में संधियों का प्रयोग परम आवश्यक है। इस घटक में छात्रों को संस्कृत भाषा की संधियों का बोध करवाया जाता है ताकि वे भाषा को आसानी से समझ सके क्योंकि संधि में पदों को अलग–अलग करके अर्थ को आसानी से जाना जा सकता है।</td></tr>
<tr><td colspan="2" rowspan="2">Credits 4</td><td>Theory+Tutorial</td><td>Practical</td><td>Total</td></tr>
<tr><td>3+1</td><td>------------------</td><td>4</td></tr>
<tr><td colspan="2">Contact Hours</td><td>60</td><td>------------------</td><td>60</td></tr>
<tr><td colspan="3">Max. Marks: 100
Internal Assessment Marks: 30
End Term Exam Marks: 70</td><td colspan="2">Time: 3 Hrs.</td></tr>
<tr><td colspan="5">Part B-Contents of the Course</td></tr>
<tr><td colspan="5"><u>Instructions for Paper-Setter</u>

प्रश्नपत्र निर्माण के लिये निर्देशः–
1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे। अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह, (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न–पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे का होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठयक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक से निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठयक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="3">Topics</td><td>Contact Hours</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="3">हितोपदेश 14 अंक
मित्रलाभ (मित्रलाभ –प्रस्तावः से लेकर कथा 2 अर्थात् वृद्धव्याघ्रपथिक के 55 वें श्लोक " भक्ष्यभक्षकयोः प्रीतिः..... " तक
(क) दो पाठ्यांशों की व्याख्या। (2x5=10 अंक)
(ख) सार। (4 अंक)</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="3">नीतिशतक*: श्लोक– संख्या 1 से 50 तक 14 अंक
(क) दो श्लोकों का सरलार्थ।(2x5=10 अंक)
(ख) एक सूक्ति की व्याख्या। (4 अंक)</td><td>15</td></tr>
</table>

III	संस्कृत व्याकरण : 14 अंक (क) शब्दरूप : **राम**, कवि, **भानु** पितृ लता , अस्मद्, विद्वस्,राजन्, तद् (तीनों लिङ्गों में) एक ;(तीनों लिङ्गों में)। (7 अंक) (ख) धातुरूपः भू, हस्, नम्, गम्, अस्, हन्, कृ, नी, याच्, दृश्, वच् (केवल लट्, लङ् विधिलिङ् लकारों में) (7 अंक)	15
IV	(क) सन्धि : अच्सन्धि, हल्सन्धि एवं विसर्गसन्धि। 7 अंक (ख) कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। (प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों से भिन्न। 7 अंक	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/classtestetc.:5+5=10Marks • Mid-Term Exam: 15Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1भर्तृहरिकृतनीतिशतकम् टीकाकार डॉ गंगासागरराय, चौखम्बा, वाराणसी . 2003
2 हितोपदेश नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3 रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

Session: 2023-24	
Part A-Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-102,रघुवंशं बुद्धचरितं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC-2
Level of the course (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	Senior Secondary (10+2) or Visharad or Equivalent in any Stream
Course Learning Outcomes (CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-102-I रघुवंशम् एक महाकाव्य है जिसमे प्रतिष्ठित एवं ऐतिहासिक महापुरुष 'राम' का वर्णन किया गया है। रघुवंशम् के अध्ययन से भारतीय संस्कृति एवं इतिहास की जानकारी छात्रों को प्राप्त होती है। CLO-102-II रघुवंशम् के लेखक महाकवि कालिदास हैं। कालिदास के जीवन, काल तथा रचनाओं का परिचय देना इस घटक का उद्देश्य है। CLO-102-III बुद्धचरित एक महाकाव्य है। इस महाकाव्य के माध्यम से बुद्ध का जीवन चरित तथा तत्कालीन संस्कृति, समाज तथा इतिहास का बोध इसके अध्ययन से होता है CLO-102-IV कवि से सम्बन्धित प्रतिभा तथा ऐतिहासिक बोध के साथ–साथ काव्य प्रतिभा तथा काव्य–गुण एवं दोषों का अध्ययन इससे होता है।

Credits 4	Theory+Tutorial	Practical	Total
	3+1	-------------------	4
Contact Hours	60	-------------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3Hrs.**	

Part B-Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

प्रश्नपत्र –निर्माण के लिये निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न–पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।

1. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठयक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठयक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	रघुवंशम्, प्रथमः सर्गः 14 अंक (क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10 अंक) (ख) सूक्ति–व्याख्या। (4 अंक)	15
II	रघुवंशसम्बद्धं कवि रघुवंशं वा आश्रित्य 14 अंक एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः	15
III	बुद्धचरितम्, प्रथमः सर्गः 14 अंक (क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10 अंक) (ख) सूक्ति–व्याख्या। (4 अंक)	15
IV	बुद्धचरितसम्बद्धं कविं बुद्धचरितं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः 14 अंक	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/classtestetc.:5+5=10 Marks • Mid-Term Exam:15 Marks	**End Term Examination:**70 Marks

Part C-Learning Resources Recommended Books/e-resources/LMS:

1 बुद्धचरितम व्याख्याकार महन्त रामचन्द्रदास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
2 रघुवंश महाकव्य, व्याख्याकार हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी

Session: 2024-25	
Part A-Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKTMDC-101, संस्कृत–सम्भाषणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MDC-I
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes (CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO.103.1: हितोपदेश के इस कथांश में जीवन में समृद्धि एवं विषमता के विरोधी समय में आत्मोन्नति का सन्देश प्राप्त होता है। आठ प्रकार के धर्म, समाज में व्यवहार की रीति, दान, उत्तम चरित एवं जीवन के दोषों का स्पष्ट एवं व्यावहारिक वर्णन है। CLO.103.2: श्रीमद्भगवद्गीता के इस अंश में योग का महत्त्व एवं कर्मफल त्यागपूर्वक कर्म की श्रेष्ठता का प्रतिपादन किया गया है। स्थित प्रज्ञ का स्वरूप, क्रोधादि दोषों का त्याग एवं इन्द्रिय संयम के महत्त्व को विस्तार से व्यक्त किया गया है। CLO.103.3: इस घटक के माध्यम से विद्यार्थी राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों में प्रयुक्त आदर्श वाक्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगें ।

	CLO.103.4: इस घटक के माध्यम से विद्यार्थी प्रतिदिन दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगें ।

Credits 3	Theory+Tutorial	Practical	Total
	2+1	------------------	3
Contact Hours	45	------------------	45
Max. Marks:70 **Internal Assessment Marks: 20** **End Term Exam Marks: 50**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B-Contents of the Course

<u>Instructions for Paper-Setter</u>

प्रश्नपत्र–निर्माण के लिये निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 50 अङ्क निर्धारित है। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न–पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठयक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठयक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	हितोपदेश (मित्रलाभः) (श्लोक 1–35) 10 अंक ' अथ प्रासादपृष्ठे'..... से लेकर ' आलस्यं दीर्घसूत्रता.... तक दो श्लोकों का सरलार्थ (2x5=10 अंक)	11
II	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय 2/46–72) 10 अंक	11
III	संस्कृत आदर्श वाक्य 10 अंक (राज्यं एवं राष्ट्रीय संस्थानों के आदर्श वाक्य) (1x5=10 अंक)	11

IV	अनुवाद वाक्य 10 अंक (शिष्टाचारः, परिचय, छात्राः, परीक्षा, आरोग्यम्, वातावरणम्, भोजनम् समयः, सुताः, अतिथिः, संकीर्ण, वाक्यानि, शुभाशयाः इनसे सम्बन्धित संस्कृत अनुवाद (1x5=10 अंक)	12
Suggested Evaluation Methods		
Internal Assessment: 20 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/classtestetc.:5Marks • Mid-Term Exam:10 Marks		**End Term Examination:** 50 Marks

PartC-Learning Resources Recommended Books/e-resources/LMS:

हितोपदेश, व्याख्याकार श्री नारायण राम आचार्य काव्यतीर्थ, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली

श्रीमद्भगवद्गीता, शांकरभाष्य, गीताप्रेस, गोरखपुर

संस्कृत व्यवहार साहस्री, संस्कृत भारती दिल्ली

Session: 2024-25	
Part A-Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-103,प्रयोगात्मक–संस्कृतम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-M1
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes (CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO.104.1:संस्कृत सम्भाषण के माध्यम से छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान एवं संस्कृत भाषा के माध्यम से स्म्भाषण प्रक्रिया के द्वारा प्रयोगात्मक संस्कृत की शिक्षा छात्रों को दी जाती है। CLO.104.2:संस्कृत भाषा को सरल एवं सुबोध अप से जानने के लिए भाषा का अनुवाद महत्त्वपूर्ण है। अनुवाद के माध्यम से छात्र भाषा का लेखन एवं उच्चारण समझ सकते हैं। भाषा शिक्षण के तीन माध्यम है बोलना, सुनना और लिखना। यही बोध छात्रों को दिया जाता है। CLO.104.3:इस घटक के माध्यम से छात्रों को फल और सब्जियों के संस्कृत नामों से परिचित कराया जायेगा ।

	CLO.104.4: कारक भाषा को जानने एवं प्रयोग की एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। कारकों के माध्यम से क्रिया की जो प्रक्रिया है वो पूर्ण होती है। कारकों का प्रयोग कैसे किया जाता है। यही बोध छात्रों को दिया जाता है।

Credits 2	Theory+Tutorial	Practical	Total
	2	-------------------	2
Contact Hours	30	-----------------	30
Max. Marks: 50 **Internal Assessment Marks: 15** **End Term Exam Marks:** 35		**Time: 2 Hrs.**	

Part B-Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

प्रश्नपत्र–निर्माण के लिये निर्देशः–

1 प्रश्नपत्र अधिकतम 35 अङ्कों का होगा। 15 अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क

2 प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न कदिए जाएँगें। प्रत्येक प्रश्न 7 अङ्कों का होगा। प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम कमें निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित 7 प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न एक अङ्क का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिए जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

3 प्रश्नपत्र हल करने का समय दो घण्टे होगा।

Unit	Topics	Contact Hours
I	सस्कृतसम्भाषण –7 अंक	7
II	अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) –7 अंक	8
III	(क) फलशाकादिनामानि –7 अंक (ख) श्रीमद्भगवद्गीता के दो श्लोकों का कण्ठस्थीकरण	7
IV	कारकविभक्ति –7 अंक	8

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment:15Marks ➢ **Theory** • Class Participation:4 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/classtestetc.:4Marks • Mid-Term Exam:7 Marks	**End Term Examination:** 35 Marks

PartC-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

2 प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदि– डां. कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Session 2024-25			
Part A- Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semster	I		
Name of the Course	Ability Enhancement Course		
Course Code	24UN-AEC-101, संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण–1		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CCM/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–I		
Level of the course (As per Annexure-I			
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 105.1 – इस घटक के द्वारा प्रत्याहार सूत्रों एवं वर्णों के उच्चारण स्थान का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 105.2 – इस घटक के द्वारा संस्कृत भाषा में प्रयुक्त पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग तथा सर्वनाम शब्दरूपों का अवबोध कराया जाएगा । CLO : 105.3 – इस घटक के द्वारा वर्तमान, भूत, भविष्यत् काल में प्रयुक्त होने वाले लट्, लङ् और लृट् लकारों की मुख्य क्रियाओं का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 105.4 – संस्कृत टिप्पणी लेखन द्वारा संस्कृत लेखन कौशल का विकास करना इस घटक का उद्देश्य है।		
Credits-2	Theory	Practical	Total
	2	—	2
Contact Hours	30	-	30
Maximum Marks	50	Time: 3 hrs	
Internal Assessment Marks	15		
End Term marks	35		

Part B—Content of the Course
Instructions for Paper-setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएँ । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में

दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।		
Unit	Topic	Contact Hours
I	प्रत्याहार सूत्र एवं वर्णो का उच्चारण स्थान 7 अंक (क) निर्देशानुसार किन्हीं 4 में से दो प्रत्याहारों का निर्माण 3 अंक (ख) पाँच्र में से किन्हीं तीन वर्णो का उच्चारण स्थान 3 अंक	7
II	शब्द रूप 7 अंक राम, बालक, लता, मति, गुरु, ज्ञान, अस्मद्, युष्मद्, तत्, किम्, इदम् (किन्हीं दो रूपों का लेखन) 2x3½=7	8
III	क्रियारूप एवं वाक्यपूर्ति 7 अंक भू, पठ्, लिख्, चल्, गम्, हस्, वद्, पा, अस् दृश्, पच् (केवल लट्, लृट् एवं लङ् लकार) उपर्युक्त धातुरूपों के आधार पर 10 में से 7 वाक्यपूर्ति 1x7=7 अंक	8
IV	पंच वाक्यात्मक संक्षिप्त टिप्पणी 7 अंक विद्या, सत्यम्, परोपकारः, आदर्शगुरुः छात्राणां कर्त्तव्यम् । 3½X2=7	7
Suggested Evaluation Method		
Internal Assessment: 15 Marks ➢ Theory • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	End Term Examination: 35 Marks	
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी वरदराजाचार्यकृत, व्याख्याकार भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. द्विवेदी, कपिलदेव : प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाँराणसी, उत्तरप्रदेश		

Session 2024-25			
Part A- Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semster	I		
Name of the Course	Value Added Course		
Course Code	24UN-SKTVAC-101, पचकोशः सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CCM/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VA C)	VAC–1		
Level of the course (As per Annexure-I	100–199		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 307.1 – सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हेतु पंचकोश का ज्ञान आवश्यक है। इस घटक में पंचकोश का सामान्य परिचय कराया जाएगा। CLO : 307.2 – इस घटक में अन्नमय और प्राणमय कोशों के स्वरूप और महत्त्व से अवगत कराया जाएगा। CLO : 307.3 – मनोमय और विज्ञानमय कोश सूक्ष्मशरीर के अँ हैं, जिनके स्वरूप और महत्त्व से अवगत कराना इस घटक का अभिधेय है। CLO : 307.4 – आध्यात्मिक विकास हेतु विज्ञानमय कोश का ज्ञान आवश्यक है, जो प्रस्तुत घटक के माध्यम से कराया जाएगा।		
Credits-2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	-	30
Maximum Marks Internal Assessment Marks End Term marks	50 15 35	Time: 3 hrs	

Part B—Content of the Course
Instructions for Paper-setter
4. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएँ । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे। 5. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्त ुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 6. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पचम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निद ॅशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topic	Contact Hours
I	पंचकोश का अर्थ, अवधारणा एवं महत्त्व 7 अंक (उपर्युक्त विषयों में से एक निबन्धात्मक वैकल्पिक प्रश्न)	7
II	अन्नमय और प्राणमय कोश का स्वरूप एवं महत्त्व 7 अंक एक निबन्धात्मक वैकल्पिक प्रश्न)	8
III	मनोमय और विज्ञानमय कोश का स्वरूप एवं महत्त्व 7 अंक (एक निबन्धात्मक वैकल्पिक प्रश्न)	8
IV	आनन्दमय कोश का स्वरूप एवं महत्त्व 7 अंक (एक निबन्धात्मक वैकल्पिक प्रश्न)	7
Suggested Evaluation Method		
Internal Assessment: 15 Marks ➢ Theory • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	End Term Examination: 35 Marks	
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. तैत्तिरीयोपनिषद (द्वितीयवल्ली 2.2, 3, 4, 5) शांकरभाष्य, गीताप्रेस, गोरखपुर		

Session: 2024-25	
Part A-Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-201, श्रीमद्भगवद्गीता स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-2/ MCC-3
Level of the course (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes (CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-201.1 गीता भारतीय संस्कृति तथा ज्ञान का उत्कर्ष है। गीता को कर्म तथा ज्ञान के सम्यक् बोध के रूप में जाना जाता है । गीता के द्वितीय अध्याय को 'सांख्य–योग' के नाम से जाना जाता है। इस अध्याय में जीवन के मर्म को जानकर कर्म करने की प्रेरणा दी गई है। यह सभी मनुष्यों को जानना चाहिए । CLO-201.2 द्वितीय घटक में नीतिशतक के 51–100 श्लोकों को शामिल किया गया है । न्याय एवं नीति बोध जीवन को सरल बना देता है। भर्तृहरि ने मनुष्यों को शिक्षा देने का प्रयास किया है कि हमारा सामाजिक व्यवहार कैसे हो । यह सभी छात्रों को जानना चाहिए । CLO-201.3 संस्कृत धातु रूपों के ज्ञान के अभाव में भाषा को नहीं समझा जा सकता । धातु प्रत्ययों का बोध इस घटक में दिया गया है। संस्कृत में धातुओं की संख्या दो हजार के आसपास है। अतः इनका बोध भाषा को सरल रूप में समझने में सहायक है।

	CLO-201.4 संस्कृत भाषा में साहित्य को लिखने की तीन विधियां है, पद्य, गद्य तथा दोनों का मिला हुआ स्वरूप । पद्यों में रचना के लिए छन्दों का ज्ञान आवश्यक है । कविता छंद के बिना नहीं हो सकती। अतः छात्रों को आरम्भि छंदो का ज्ञान इस घटक में दिया जाता है । छात्रों की रुचि कविता में हो ऐसा छंदों के ज्ञान से संभव है ।		
Credits 4	Theory+Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60
Max. Marks:100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3Hrs.**	

Part B-Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

प्रश्नपत्र–निर्माण के लिये निर्देशः–

1 प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न दिए जाए। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न 14 अङ्कों का होगा। प्रश्नपत्र हल करने का समय तीन घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधारक पर कबनाया जाए। चारों घटकों पर आधारित यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित 4 प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 3.5 अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण शेष पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिए जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। प्रश्नपत्र हल करने का समय दो घण्टे होगा।

Unit	Topics	Contact Hours
I	श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय 14 अंक (क) दो श्लोकों का सरलार्थ 2×5=10 अंक (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न (4 अंक)	15
II	चरकसंहिता स्वरथवृत्तम् सूत्रस्थान 5/71–104, 7/26–35 8/17–29 14 अंक (क) दो पंक्तियों की व्याख्या (2×5=10 अंक) (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न (4 अंक)	15

<table>
<tr><td>III</td><td>संस्कृत व्याकरण : 14 अंक
(क) शब्दरूप : मति , नदी, धेनु, मातृ, फल, युष्मद्, सर्व, एतद्, द्वि, त्रि। ('सर्व' से लेकर 'त्रि' तक तीनों लिङ्ग में)। (07 अंक)
(ख) धातुरूप : पठ्, नश्, नृत्, प्रच्छ्, रुच्, हृ, भज ., पच्, लभ् सेव्।
(केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट् लकारों में) (07 अंक)</td><td>15</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>(क) छन्दः –अनुष्टुप ., आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्त तिलका, शार्दूलविक्रीडित। 07 अंक
(ख) हिन्दी से सस्कृत में अनुवाद। 07अंक</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="3">Suggested Evaluation Methods</td></tr>
<tr><td colspan="2">Internal Assessment: 30Marks
➢ Theory
• Class Participation:5 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/classtestetc.:5+5=10Marks
• Mid-Term Exam:15Marks</td><td>End Term Examination:
70 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="3">Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:
1 श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस गोरखपुर
2 चरक संहिता, व्याख्याकारः आचार्य विद्याधर शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली
3 श्रचनानुवाद कौमुदी – डां. कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी</td></tr>
</table>

Session: 2024-25	
Part A-Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
NameoftheCourse	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-202, किरातार्जुनीयं नीतिशतकं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSEC-1
Level of thecourse (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes (CLO):	After completing this course, the learner will be able to:CLO-202-1 महाकाव्य परम्परा में किरातार्जुनीयम् का उत्कृष्ट स्थान है। महाकवि भारवि द्वारा रचित महाकाव्य में राजनीति, कूटनीति, समाजनीति तथा युद्धनीति का विशिष्ट वर्णन है। यह काव्य अर्थ गौरव के लिए प्रसिद्ध है। आदर्श और व्यवहार के द्वंद्व तथा आदर्श जीवन मूल्यों का समावेश इसमें निहित है। CLO-202-II महाकवि भारवि का परिचय तथा महाकाव्य की शैली, गुण आदि का अध्ययन इसका उद्देश्य है । CLO-202-III भर्तृहरि द्वारा रचित नीतिशतक में लेखक ने न्याय तथा नीति सम्बन्धि श्लोक प्रस्तुत किए हैं जो छात्रों के लिए व्यावहारिक महत्त्व रखते हैं । CLO-202-IV कवि–परिचय एवं भाषा–शैली का आलोचनात्मक अध्ययन छात्रों की प्रतिभा का विकास करता है ।

Credits 4	Theory+Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60
Max. Marks:100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time:3 Hrs.**	

PartB-Contents of the Course

<u>Instructions for Paper-Setter</u>

प्रश्नपत्र निर्माण के लिये निर्देशः—

1 प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे। अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह, (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न–पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे का होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठयक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक से निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठयक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	किरातार्जुनीयम्, प्रथमः सर्गः 14अंक (क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2×5=10 अंक) (ख) सूक्तिव्याख्या। (4 अंक)	15
II	किरातार्जुनीयसम्बद्धं कविं किरातार्जुनीयं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः।	15
III	**नीतिशतकम्**, (51–100) (क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2×5=10 अंक) (ख) सूक्तिव्याख्या। (4 अंक)	15
IV	नीतिशतकसम्बद्धं कविं नीतिशतकं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। अंक—14	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment:30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/classtestetc.:5+5=10Marks • Mid-Term Exam:15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1 किरातार्जुनीयम्, भारवि विरचितं, व्याख्याकार– बाबूराम पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणस 2 किरातार्जुनीयम्,– डां शैली अग्रवाल 17 ए प्रभुनगर के पास, आगरा (अु.पी) 3 नीतिशतकम्– भर्तृहरि विरचितम् चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी

Session: 2024-25	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2^{nd}
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKTMDC-201, योगासनम् एवं ध्यानम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MDC-2
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--

Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 204. I : वर्तमान जीवन में योगासन के महत्व को देखते हुए इस घटक में सर्वजन के लिए योगासन की उपयोगिता बताई गई है। स्वस्थ जीवन के लिए योगासन महत्वपूर्ण है। CLO. 204. 2 : योग के आठ अंगों के अन्तर्गत प्राणयाम एवं धारणा का बोध इस घटक के अन्तर्गत करवाया जाता है। CLO. 204. 3 : इस घटक के अन्तर्गत शरीर के विभिन्न स्थानों परउ निर्दिष्ट चक्रों का परिचय एवं ध्यान की विधि तथा स्वरूप से छात्रों को अवगत कराया जाता है। CLO. 204. 4 : मानव के व्यक्तित्व विकास में पंचकोशों का विशेष महत्व है। इस घटक के अन्तर्गत पंचकोशों के स्वरूप एवं उनके विकास की प्रक्रिया से अवगत कराया जायेगा।

Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	-------------------	3
Contact Hours	45	-------------------	45
Max. Marks: 70 **Internal Assessment Marks: 20** **End Term Exam Marks:** 50		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

<u>Instructions for Paper- Setter</u>

प्रश्नपत्र–निर्माण के लिए निर्देश :–

1.प्रश्नपत्र में कुल पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रश्नपत्र के लिए कुल 50 अंक निर्धारित है। सभी प्रश्न समान अंक के होगें। अर्थात प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र हल करते समय तीन 3 घण्टे का होगा।

2.प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाएगा। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार 4 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो 2.5 अंकों का होगा।

3.द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम,द्वितीय,तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से एक –एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	योगासनः पद्मासन, ताड़ासन, धनुरासन,गोमुखासन, कूर्मासन, मत्स्येन्द्रासन, मयूरासन, श्वासन योगासनों का महत्व 7 अंक	11
II	प्राणायाम एवं धारणा 7अंक	11
III	चक्र एवं ध्यान 7अंक	11
IV	पंचकोश 7अंक	12

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 25 Marks	End Term Examination:
➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 7 Marks • Mid-Term Exam: 13 Marks	50 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1.हठयोगप्रदीपिका, व्याख्याकार अजय कुमार उत्तम, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी
2.जाबालदर्शनोपनिषद, संपादक श्रीराम शर्मा ,युगनिर्माण योजना प्रैस, मथुरा
3.तैत्तिरीयोपनिषद, :द्वितीय वल्ली, शांकरभाष्य गीताप्रेस, गोरखपुर
4.योगासन और योगसाधना, डॉ.सत्यपाल, चौखम्भा संस्कृत प्रकाशन संस्थान, वाराणसी

Session: 2024-25	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2^{nd}
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-203, संस्कृत चयनिका
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-M2
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	----..--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 203. I : संस्कृत चयनिका के अन्तर्गत विभिन्न ग्रन्थों से पाठ ग्रहण कर छात्रों को उपनिषद्, रामायण, नीति एवं आचार से संबधित विषयों का बोध करवाया जाता है। CLO. 203. 2 : संस्कृत चयनिका के गद्यभाग के रूप में उपनिषद्, नीतिसाहित्य एवं रामायण के कुछ भागों को संकलित कर छात्रों को विद्यार्थी जीवन से संबधित अनेक विषयों का ज्ञान करवाया जाता है। CLO. 203. 3 :इस घटक में संस्कृत शब्द रूपों और धातु रूपों का बोध करवाया जाता है। CLO. 203. 4 : इस घटक में स्वर संधि और श्लोकों का शुद्ध लेखन सिखाया जाता है।

Credits 2	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2	------------------	2
Contact Hours	30	------------------	30

Max. Marks: 50
Internal Assessment Marks: 15
End Term Exam Marks: 35

Time: 2 Hrs.

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र निर्माण के लिए निर्देश:

1.प्रश्न–पत्र अधिकतम 35 अंकों का होगा। 15 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं।

2.प्रश्न–पत्र में कुल पॉच प्रश्न दिए जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का होगा। प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्प रहित सात 7 प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न एक 1 अंक का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएँगें। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक–एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

3. प्रश्न–पत्र हल करने का समय दो 2घण्टे होगा।

Unit	Topics	Contact Hours
1.	संस्कृत–चयनिका (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) 7 अंक पद्यभाग :1–6 पाठ	7
11.	संस्कृत–चयनिका 7 अंक गद्यभाग :1–9 पाठ	8
111.	संस्कृत–व्याकरण : 7 अंक क. शब्द–रूप : बालक,कवि,साधु, पितृ, मातृ, फल, विद्वस्,शशिन ख. धातु–रूप : भू, वद्, स्था, लभ्, दा (यच्छ) प्रच्छ्। (केवल लट्, लोट,लङ ,विधिलिङलृट् लकारों में)	7
1V.	(क) स्वरसंधि (ख) श्रीमद्भागवद्गीता से कण्ठस्थ चार श्लोकों का शुद्ध लेखन (प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों से भिन्न) 7 अंक	8

Session 2024-25	
Part A- Introduction	
Subject	Sanskrit
Semster	II
Name of the Course	Ability Enhancement Course
Course Code	24UN-AEC-201, संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण–2
Course Type: (CC/MCC/MDC/CCM/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–2
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 205.1 – कारक एवं विभक्ति संस्कृत भाषा के आधारभूत तत्त्व हैं, जिनका प्रारम्भिक ज्ञान इस घटक के माध्यम से कराया जाएगा। CLO : 205.2 – इस घटक के द्वारा ईशोपनिषद् के प्रारम्भिक 10 मन्त्रों का अवबोध कराया जाएगा।

<table>
<tr><td></td><td colspan="3">CLO : 205.3 – संस्कृत मन्त्रों एवं श्लोकों का सरलार्थ करना एवं लेखन करना सिखाना इस घटक का उद्देश्य है।

CLO : 205.4 – इस घटक के माध्यम से सरल संस्कृत वाक्यों द्वारा स्वपरिचय देने में छात्रों को समर्थ बनाया जाएगा।</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Credits-2</td><td>Theory</td><td>Practical</td><td>Total</td></tr>
<tr><td>2</td><td>--</td><td>2</td></tr>
<tr><td>Contact Hours</td><td>30</td><td>-</td><td>30</td></tr>
<tr><td>Maximum Marks

Internal Assessment Marks

End Term marks</td><td>50

15

35</td><td colspan="2">Time: 3 hrs</td></tr>
</table>

Part B—Content of the Course

Instructions for Paper-setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएँ । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topic	Contact Hours
I	कारक एवं विभक्ति 7 अंक कर्त्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, अधिकरण किन्हीं दो कारकों की सोदाहरण व्याख्या 3½x2=7 अंक	8
II	ईशोपनिषद् (1–10 मन्त्र) 7 अंक तीन में से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या 3½X2=7 अंक	8
III	संस्कृत श्लोक एवं मन्त्र 7 अंक मन्त्र– गीता के श्लोक– गायत्री मन्त्र युक्ताहार... महामृत्यु×जय मन्त्र उद्धेदात्मना. शान्तिमन्त्र (द्यौः शान्तिः) कर्मण्येवा... संगच्छध्वम्... यत्र योगेश्वर... सर्वेभवन्तु सुखिनः... गीता सुगीता... किन्हीं 2 मन्त्रों का सरलार्थ 2x2½=5 अंक 1 श्लोक का लेखन 1x2=2 अंक	7
IV	संस्कृत भाषा में स्वयं का परिचय 7 अंक लेखन (दस वाक्यात्मक)	14

Suggested Evaluation Method

Internal Assessment: 15 Marks		End Term Examination:
➢ Theory		
• Class Participation:	4	35 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.:	4	
• Mid-Term Exam:	7	

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी वरदराजाचार्यकृत, व्याख्याकार– भीमसेन शास्त्री भैमी प्रकाशन, दिल्ली ।
2. ईशोपनिषद्, (शांकरभाष्य), गीताप्रेस गोरखपुर

Session 2024-25			
Part A- Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	II		
Name of the Course	Value Added Course		
Course Code	24UN-SKTVAC-201, प्रारम्भिक संस्कृत भाषा ज्ञान		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CCM/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	VAC–2		
Level of the course (As per Annexure-I	100–199		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 312.1 – संस्कृत भाषा के आधारभूततत्त्व वर्ण, वर्णों का उच्चारण–स्थान, वचन, लिंग एवं पुरुष का ज्ञान इस घटक द्वारा कराया जाएगा । CLO : 312.2 – संस्कृत भाषा के स्वरूपज्ञान हेतु सन्धिज्ञान आवश्यक है, जो इस घटक में कराया जाएगा । CLO : 312.3 – संस्कृत भाषा में संरचना के आधारभूत कारक–विभक्ति का अवबोध कराना इस घटक का उद्देश्य है। CLO : 313.4 – संस्कृत से हिन्दी/अंग्रेजी में अथवा हिन्दी/अंग्रेजी से संस्कृत मं अनुवाद सिखाना इस घटक का अभिधेय है।		
Credits-2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	-	30
Maximum Marks	50	Time: 3 hrs	
Internal Assessment Marks	15		
End Term marks	35		

Part B—Content of the Course
Instructions for Paper-setter

7. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएँ । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
8. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
9. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पचम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topic	Contact Hours
I	प्रत्याहार–सूत्र, वर्णों का उच्चारण–स्थान 7 अंक वचन, लिंग एवं पुरुष (क) प्रत्याहार सूत्र व उच्चारण–स्थान 1x4=4 अंक (ख) वचन, लिंग एवं पुरुष 1x3=3 अंक	7
II	सन्धिपरिचय (अच् हल् एवं विसर्ग) 7 अंक (यण्, दीर्घ, गुण, वृद्धि, जश्त्व, विसर्जनीयस्य सः) (क) सन्धि 1x4= 4 अंक (ख) सन्धिविच्छेद 1x3=3 अंक	8
III	कारक–विभक्ति का सामान्य परिचय 7 अंक वाक्यों में रेखांकित पदों में कारक–विभक्ति का प्रतिपादन (10 में से 7)	8
IV	हिन्दी व संस्कृत में अनुवाद 7 अंक (10 में से 7 वाक्यों का अनुवाद)	7
Suggested Evaluation Method		
Internal Assessment: 15 Marks ➢ Theory • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7		End Term Examination: 35 Marks
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराजाचार्यकृत, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. वर्णोच्चारणशिक्षा, स्वामी दयानन्दकृत व्याख्यासंहिता, वैदिकयन्त्रालय, अजमेर		

Session: 2024-25	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	3rd
Name of Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-301 , ऐतिहासिक-महाकाव्यम् एवं व्याकरणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC	CC-3 MCC-4
Level of the course(As per Annexure-1	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	**After completing this course, the learner will be able to:** CLO. 301.1 : महाभारत विश्व प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसे पञ्चम वेद की संज्ञा दी गई है। महाभारत के वन पर्व में यक्ष युधिष्ठिर संवाद के माध्यम से धर्म-अधर्म, नीति-अनीति इत्यादि का प्रश्नोतर के माध्यम से छात्रों को न्याय, नीति नीति सम्बन्धी शिक्षा दी जाती थी। CLO. 301. 2 : रामायण लौकिक साहित्य का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है । इस घटक में राम के गुण, कार्य और उसके राष्ट्रप्रेम से छात्रों को अवगत करवाया जाता है। व्याकरण के बिना भाषा अधूरी है। संस्कृत व्याकरण का आदिग्रन्थ अष्टाध्यायी है जो वैज्ञानिक आधार रखता है। CLO. 301. 3 : प्रस्तुत घटक में समासों के माध्यम से छात्रों को भाषा का संक्षेपीकरण एवं सरल बोध करवाया जाता है।

	CLO. 301. 4 : व्याकरण के आरम्भ में महेश्वर सूत्र है जो संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक वर्णमाला कहलाती है। इसमें सभी वर्णों का समावेश भाषा वैज्ञानिक आधार पर किया गया है। इससे छात्रों को वर्णमाला एवं उच्चारण बोध में महत्त्वपूर्ण सहायता मिलती है। पत्र लेखन के माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा में पत्र व्यवहार सीखते हैं।

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	-------------------	4
Contact Hours	60	-------------------	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	महाभारत: यक्षयुधिष्ठिर संवाद -(यथावत्) 14अङ्काः (क) सप्रसंग व्याख्या -(7 अङ्क) (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न- (7 अङ्क)	15
II	रामायण: अयोध्या काण्ड, शततम: सर्ग: (कच्चिद् सर्ग:) 14अङ्काः (क) दो श्लोकों का सरलार्थ - (7अङ्क) (ख) विषयवस्तु सम्बन्धित प्रश्न- (7अङ्क)	15

III	संस्कृत व्याकरण : 14अङ्का: (क) समास- अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वन्द्व तथा बहुव्रीहि। (7अङ्क) (ख) कृत् प्रत्यय- क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्य, अनीयर्। (7अङ्क)	15
IV	वरदराज,लघुसिद्धान्तकौमुदी 14अङ्क: (क) प्रत्याहारसूत्र (माहेश्वरसूत्र) 7अङ्क (ख) संख्यावाची संस्कृत शब्द (1 100)7अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. रामायण, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. महाभारत पुणे संस्करण (भण्डारकर ओरियेन्टल रिसर्च इन्सटीट्यूट), लघुसिद्धांत कौमुदी MLBD, Delhi
3. प्रौढरचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी

Session: 2024-25	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	3rd
Name of Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-302 , स्वप्नवासक्दत्तम्
Course Type: {CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC	MCC-5
Level of the course(As per Annexure-1	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	**After completing this course, the learner will be able to:** CLO.302.1 : स्वप्नवासवदत्तम् भास द्वारा रचित नाटक है। इस रचना के द्वारा भास ने राष्ट्र-प्रेम एवं नारी भावनाओं का विशद वर्णन प्रस्तुत किया है। ऐतिहासिकता के साथ-साथ राजनीति व कूटनीति का ज्ञान इससे प्राप्त होता है। CLO. 302.2 : कवि परिचय के साथ साथ इस घटक में घटक में नाट्य विधा का बोध प्राप्त होता है। नाट्य गुण दोषों का परिचय छात्रों को इससे प्राप्त होता है। CLO.302.3 : स्वपनवासवदत्तम् में आये हुए पात्रों के चरित्र चित्रण से छात्रों की आलोचनात्मक प्रतिभा एवं लेखन शैली का विस्तार होता है। CLO.302.4 : नाट्य विधा को समझने के लिए नाट्य में कुछ पारिभाषिक शब्दावली होती है जिन शब्दों का प्रयोग नाटक में ही किया जाता है। अतः छात्रों को नाट्य शैली में प्रयुक्त शब्दों का बोध करना इसका उद्देश्य है।

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	----------------	4
Contact Hours	60	----------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

4. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
5. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
6. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	भासः, स्वप्नवासवदत्तम् 14 अङ्काः (क) सप्रसंग व्याख्या/अनुवादः। (10 अङ्काः) (ख) अंकसारः। (4 अङ्काः)	15
II	स्वप्नवासवदत्तसम्बद्धं लेखकं स्वप्नवासवदत्तं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 14 अङ्काः	15
III	स्वप्नवासवदत्तम् पात्राणां चरित्रचित्रणम्। 14 अङ्काः	15
IV	स्वप्नवासवदत्ते प्रयुक्ताः पारिभाषिकशब्दाः 14 अङ्काः सूत्रधारः, नान्दीपाठः, विदूषकः, प्रस्तावना, विष्कम्भकम्, आधिकारिकवृत्तम्, प्रासङ्गिकवृत्तम्।	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

स्वप्नवासवदत्तम्–भास विरचित्तम्, डा० गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी

Session: 2024-25	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	3rd
Name of Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKTMDC-301 , यज्ञ-प्रक्रियाया: वैज्ञानिकाधार: एवं वर्णोच्चारणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC	MDC-3
Level of the course(As per Annexure-1	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	**After completing this course, the learner will be able to:** CLO.303.1 : 'यज्ञ' शब्द का व्युत्पत्तिजन्य अर्थ बताकर, यज्ञ के लाभ एवं उपयोगिता बताई जाएगी। CLO. 303.2 : यज्ञ सामग्री के वैज्ञानिक गुण बताकर, प्राकृतिक लाभ बताएं जाएंगे ।यज्ञ को पर्यावरण प्रदूषण से मुक्ति का द्वार बताया गया है। CLO.303.3 : ईश्वरस्तुति प्रार्थनोपासना मन्त्रों के द्वारा आदर्श भारतीय जीवन पद्धति का वर्णन किया गया है। वैदिक ज्ञान के सान्निध्य से ही वास्तविक सुख एवं आनन्द की प्राप्ति संभव है । CLO.303.4 : वर्णोच्चारण शिक्षा के माध्यम से छात्रों को उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न से अवगत कराया जाएगा।

Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	------------------	3
Contact Hours	45	------------------	45

Max. Marks: 75 **Internal Assessment Marks: 25** **End Term Exam Marks: 50**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

<u>Instructions for Paper- Setter</u>

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_50 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	यज्ञ की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा । यज्ञ के लाभ, यज्ञ-कुण्ड, यज्ञशाला, यज्ञपात्र एवं उपयोगिता । 10अङ्काः	11
II	यज्ञ सामग्री के वैज्ञानिक गुण तथा पर्यावरण प्रभाव। 10अङ्काः	11
III	वैदिक मन्त्रोचारण विधि-ईश्वरस्तुतिप्रार्थनोपासना मन्त्र। पर्यावरण शुद्धि, वायु गुणवत्ता में वृद्धि एवं नैरोग्य । 10अङ्काः	11
IV	वर्णोचारण-शिक्षा-उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न का व्यवहारिक ज्ञान। 10अङ्काः	12

<table>
<tr><th colspan="2">Suggested Evaluation Methods</th></tr>
<tr><td>Internal Assessment: 25 Marks
➢ Theory
• Class Participation: 5 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 7 Marks
• Mid-Term Exam: 13 Marks</td><td>End Term Examination:
50 Marks</td></tr>
<tr><th colspan="2">Part C-Learning Resources</th></tr>
<tr><td colspan="2">Recommended Books/e-resources/LMS:
1 यज्ञ विमर्श - एक वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ॰ रामप्रकाश, सत्यार्थ प्रकाशन न्यास कुरुक्षेत्र
2 वर्णोच्चारणशिक्षा - श्रीमद्दयानन्द व्याख्या सहिता, वैदिक यन्त्रालय अजमेर</td></tr>
</table>

Session: 2024-25	
Part A - Introduction	
Subject	
Semester	III
Name of the Course	Value Added Course
Course Code	24UN-SKT-VAC305 संस्कृत साहित्य में नाट्य एवं रंगमंच
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	VAC–3
Level of the course (As per Annexure-I	100–199
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 313.1 – संस्कृत में नाट्य एवं रंगमंच की प्राचीन परम्परा है। इस घटक द्वारा नाट्य की उत्पत्ति, विकास एवं स्वरूप का अवबोध कराया जाएगा। CLO : 313.2 – वर्तमान सन्दर्भ में संस्कृतनाट्य रंगमंच के स्वरूप का ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 313.3 – नाट्यशास्त्र में प्रदत्त अभिनय के स्वरूप का सामान्यतया अवबोध इस घटक द्वारा कराया जाएगा। CLO : 313.4 – नाट्य रसों के स्वरूप एवं रसभेदों का ज्ञान कराना इस घटक का उद्देश्य है।

Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30

Max. Marks: **50** **Internal Assessment Marks:** **15** **End Term Exam Marks:** **35**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	भरतमुनि एवं नाट्यशास्त्र का परिचय 7 अंक नाट्य की उत्पत्ति, विकास एवं स्वरूप (एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियाँ)	**7**
II	रंगमञ्च का स्वरूप 7 अंक रंगगृह, मण्डपनिवेश, स्तम्भस्थापना रंगशीर्ष, दारुकर्म, भित्तिकर्म, चित्रकर्म (दो टिप्पणियाँ) 2x3½= 7 अंक	**8**
III	अभिनय का सामान्य परिचय एवं प्रकार हस्ताभिनय, शरीराभिनय, वाचिकाभिनय 7 अंक (एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियाँ)	**7**

IV	रसस्वरूप एवं प्रकार 7 अंक शृंगार, वीर, शान्त, हास्य, करुण, रौद्र (एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियाँ)	7
Suggested Evaluation Methods		
Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7		**End Term Examination:** **35 Marks**
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. नाट्यशास्त्रम्, व्या० श्री सत्यप्रकाश शर्मा चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन 2. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम द्वितीय एवं तृतीय भाग), श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान		

Session: 2024-25			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	III		
Name of the Course	Ability Enhancement Course		
Course Code	24UN-SKT-AEC306संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-3		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–3		
Level of the course (As per Annexure-I			
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 305.1 – संस्कृतभाषा में निवद्ध वाक्यों के सम्यक् ज्ञान के लिए सन्धि का ज्ञान आवश्यक है। इस घटक में प्रमुख संधियों का अवबोध कराया जाएगा । CLO : 305.2 – इस घटक के माध्यम से संस्कृत के संख्यावाची शब्दों का ज्ञान विद्यार्थियों को कराया जाएगा। CLO : 305.3 – इस घटक का उद्देश्य है। राज्यीय एवं राष्ट्रीय ध्येयवाक्यों का बोध कराना । CLO : 305.4 – फल एवं सब्जियों के संस्कृत नामों का अवबोध इस घटक का अभिधेय है।		
Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2		3
Contact Hours	30		30

Max. Marks: 50 Internal Assessment Marks: 15 End Term Exam Marks: 35	Time: 3 Hrs.

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. 1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	सन्धि 7 अंक दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण्, अयादि (क) सन्धि 4x1=4 अंक (ख) सन्धिविच्छेद 3x1=3 अंक	8
II	संख्या एक से सौ तक संस्कृतसंख्यावाची शब्द 7 अंक (क) संख्या शब्दों का संस्कृत रूप 7x1=7 अंक (किन्हीं 10 में से 7 लिखें)	7
III	ध्येयवाक्य 7 अंक राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों के ध्येयवाक्य संस्थानों के संस्कृत ध्येय वाक्य लिखें (10 में से 7)	8
IV	फल एवं सब्जियों के संस्कृत नाम 7 अंक फल तथा सब्जियों के संस्कृत नाम लिखें (10 में से 7)	7

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**End Term Examination:** **35 Marks**
Part C-Learning Resources	
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. द्विवेदी कपिलदेव, प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तरप्रदेश 2. संस्कृतस्य वर्चस्वम्, प्रो. निगम स्वरूप आचार्य, महान प्रिंटर्ज, नाभा गेट संगरूर पंजाब (ध्येयवाक्यहेतु)	